भारत ने 8.5 लाख टन शुगर का एक्सपोर्ट किया

[ईटी ब्यूरो | पुणे]

भारत ने जनवरी के अंत तक लगभग लगभग 8.5 लाख टन चीनी का एक्सपोर्ट किया था। इसमें से 4.5 लाख टन रॉ शुगर थी। देश में जनवरी तक लगभग 8 लाख टन रॉ शुगर का प्रॉडक्शन हुआ था। मौजूदा सीजन के बाकी बचे महीनों में और 10 लाख टन रॉ शुगर का प्रॉडक्शन होने का अनुमान है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने बताया, 'जनवरी के अंत तक लगभग 8.5 लाख टन चीनी का देश से एक्सपोर्ट किया गया। इसमें से 4.5 लाख टन रॉ शुगर और बाकी वाइट/रिफाइंड शुगर थी। अभी 1.2 से 2 लाख टन चीनी का और एक्सपोर्ट किए जाने का प्रोसेस चल रहा है। इसमें से अधिकांश रॉ शुगर है।'

1 अक्टूबर 2013 से जनवरी के अंत तक चीनी का कुल डिस्पैच लगभग 79 लाख टन रहा। देश में जनवरी के अंत तक चीनी का 117 लाख टन का स्टॉक था। 2013-14 के मौजूदा सीजन में भारत ने 15 फरवरी तक 143.7 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया है। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 165.88 लाख टन था। चीनी प्रॉडक्शन पिछले वर्ष के मुकाबले 15 फरवरी तक घटकर 13 फीसदी हो गया, जो जनवरी के अंत तक लगभग 16 फीसदी का था।

15 फरवरी तक पूरे देश में लगभग 485 चीनी मिलें ऑपरेशनल थीं, पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 500 मिलों का था। महाराष्ट्र में 147 मिलों ने लगभग 454 लाख टन गन्ने की पेराई कर लगभग 49.80 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया। इनका रिकवरी रेट 10.96 फीसदी रहा। पिछले वर्ष गन्ने की लगभग इतनी ही मात्रा की पेराई की गई थी और एवरेज शुगर रिकवरी 10.85 फीसदी थी। हालांकि, अभी तक रिकवरी की पिछले वर्ष की इसी अवधि से तुलना करने पर यह कम लग रही है क्योंकि मिलों ने लगभग 2 सप्ताह की देरी से पेराई शुरू की है। 15 फरवरी तक लगभग 10 मिलें (औरंगाबाद जोन में 4, पुणे जोन में 4, अहमदनगर में 1 और नांदेड़ में 1) बंद हुई हैं। पिछले वर्ष की इसी समय में यह संख्या 8 की थी। उत्तर प्रदेश ने लगभग 35.7 लाख टन का प्रॉडक्शन किया, जो पिछले वर्ष के 43.61 लाख टन की तुलना में लगभग 18 फीसदी कम है। राज्य में कुल 119 मिलें गन्ने की पेराई कर रही हैं। पिछले वर्ष यह संख्या 121 की थी। प्रति हेक्टेयर यील्ड पिछले वर्ष के मुकाबले 6-7 फीसदी कम है। अभी तक शुगर रिकवरी 8.91 फीसदी है, जो गन्ने की समान मात्रा की पेराई किए जाने पर पिछले वर्ष की 8.85 फीसदी से ज्यादा है।

- **एक्सपोर्ट में** 4.5 लाख टन रॉ शुगर थी। देश में जनवरी तक 8 लाख टन रॉ शुगर का प्रॉडक्शन हुआ था। मौजूदा सीजन के बाकी बचे महीनों में और 10 लाख टन रॉ शुगर का प्रॉडक्शन होने का अनुमान है

Economic times

20/2/14